प्राथमिकता – XV

भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 135*

दिनांक 27.11.2019 को उत्तर देने के लिए

जम्मू और कश्मीर मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय समर्थन

***135. श्री गोपाल शेट्टीः**

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तान, जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए हटाए जाने के पश्चात् कथित रूप से हताश हो रहा है तथा भारत के विरूद्ध मिथ्या प्रचार कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अंतर्राष्ट्रीय समुदाय इस मुद्दे पर पाकिस्तान की भर्त्सना कर रहा है तथा उसे गंभीरता से नहीं ले रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस मुद्दे पर भारत को व्यापक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है और पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अलग पड़ गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश मंत्री

(डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर)

(क) से **(ड.)** विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

***

“जम्मू और कश्मीर मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय समर्थन” के संबंध में दिनांक 27.11.2019 को उत्तर दिए जाने हेतु लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *135 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ङ): पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद तथा इस्लामिक सहयोग संगठन में जम्मू और कश्मीर के मुद्दे पर भारत के विरुद्ध बार-बार झूठा तथा दुर्भावनापूर्ण प्रचार किया है।

सरकार ने पाकिस्तान द्वारा की गई इस प्रकार की सभी हरकतों तथा दुष्प्रचारों को पूर्णतः एवं स्पष्ट रूप से सिरे से खारिज कर दिया है। सरकार ने इस मुद्दे पर सक्रिय दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया है। उन्हें पाकिस्तान द्वारा भारत के विरुद्ध, जिसमें जम्मू-कश्मीर संघ शासित प्रदेश भी शामिल है, लगातार सीमापार आतंकवाद को मदद दिए जाने तथा उकसाए जाने के बारे में जानकारी दी गई है।

सरकार की लगातार कोशिशों के परिणामस्वरूप पाकिस्तान की ओर से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने; इस क्षेत्र की स्थिति को भयावह रूप में प्रस्तुत करने; और संयुक्त राष्ट्र सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों का दुरुपयोग करने की उसकी कोशिशों को सफलतापूर्वक व कारगर ढंग से नाकाम कर दिया गया है। उन देशों ने समझदारी दिखाते हुए जम्मू व कश्मीर, जोकि भारत का एक अभिन्न हिस्सा है, से जुड़े मुद्दों को भारत का अंदरूनी मामला बताया। इन देशों ने पाकिस्तान से यह भी आग्रह किया है कि वह अपने भूक्षेत्र का इस्तेमाल किसी भी तरीके से आतंकवादी गतिविधियों के लिए न करने दे। उन्होंने यह भी स्वीकार किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच सभी मुद्दों, यदि कोई हों, का निदान द्विपक्षीय तथा शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

***